

अपील/रसद/10/2020
न्यायालय जिला कलक्टर, भरतपुर

गोपालगिरी उचित मूल्य दुकानदार ग्राम पंचायत सिरौंद तहसील रूपवास जिला
भरतपुर ।

.....अपीलान्त

बनाम

जिला रसद अधिकारी भरतपुर ।

.....रेस्पोजेण्ट

अपील विरुद्ध आदेश जिला रसद अधिकारी भरतपुर दि०
02.07.2020 प्रकरण संख्या 07/2020, वमुकदमा
सरकार बनाम गोपालगिरी अन्तर्गत धारा 22 खाद्य
सुरक्षा अधिनियम ।

निर्णय

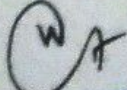
दिनांक 25.11.2020

अपीलान्त ने यह अपील जिला रसद अधिकारी भरतपुर के आदेश दिनांक
02.07.2020 से व्यथित होकर प्रस्तुत की है। अपीलाधीन आदेश में अपीलान्त के
अनुज्ञापत्र को निरस्त किये जाने एवं जमाशुदा प्रतिभूति राशि जव्त सरकार किये
जाने की आज्ञा पारित की गई है।

अपील दर्ज रजिस्टर कर रेस्पोजेण्ट एवं तहत पत्रावली तलब की गई।
तहत पत्रावली प्राप्त होने पर संलग्न मिसल है।

पत्रावली पर योग्य अभिभाषक उभय पक्ष की बहस सुनी गई।

योग्य अभिभाषक अपीलान्त ने अपील में वर्णित तथ्यों को ही दोहराते हुए
कथन किया है कि शिकायत प्राप्त होने के बाद मौके पर जाकर प्रवर्तन निरीक्षक
द्वारा कोई जांच नहीं की गई। तहत अदालत द्वारा समस्त कार्यवाही कोविड-19 के
लॉक डाउन के दौरान की गई है। अपीलान्त बुजुर्ग व्यक्ति होने से लॉक डाउन के
कारण कार्यालय में उपस्थित नहीं हो सका था। अपीलान्त का पुत्र जो किसी काम से
कार्यालय में आया हुआ था, उससे कार्यालय के कर्मचारी ने आर्डरशीट पर अपीलान्त
के हस्ताक्षर करा लिए और पत्रावली का निस्तारण कर दिया। अभिभाषक अपीलान्त
ने यह भी कथन किया कि अपीलान्त की पोस मशीन जल जाने के कारण खराब हो
गई थी, इस बावत जिला रसद अधिकारी कार्यालय को अवगत करा दिया गया था।
अपीलान्त ने अपने खर्चे पर पोस मशीन को ठीक कराया था। लॉक डाउन के कारण
पोस मशीन के ठीक होने में समय लग गया था। प्रवर्तन निरीक्षक ने जिस समय
जांच की उस समय तक पोस मशीन ठीक होकर नहीं आई थी। इस कारण राशन
वितरण नहीं हो सका। पोस मशीन ठीक होने के बाद अपीलान्त ने उपभोक्ताओं को
राशन वितरण का कार्य शुरू कर दिया। राशन वितरण से सम्बन्धित उपभोक्ताओं की


**जिला कलक्टर
भरतपुर (राशन)**

कोई शिकायत नहीं है। अपीलान्धीन आदेश अवैधानिक होने से खरिज किये जाने योग्य है ।

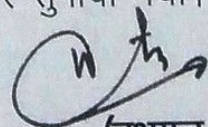
पैरोकार रसद द्वारा अपनी बहस में कथन किया है कि अपीलान्त द्वारा स्टॉक में गेहूँ होने के बावजूद 48 उपभोक्ताओं को गेहूँ वितरण नहीं किया गया व माह मार्च, 2020 में गेहूँ स्टॉक में होने के बावजूद भी उपभोक्ता पखवाड़े में गेहूँ का वितरण नहीं किया जा सका। कोविड-19 के दौरान उचित मूल्य दुकानदारों को लॉक डाउन से छूट थी एवं अपीलान्त दिनांक 19.06.2020 को सुनवाई पर उपस्थित रहा फिर भी अपीलान्त द्वारा उसे जारी कारण बताओ नोटिस का जबाव नहीं दिया गया। अपीलान्त को सुनवाई का समुचित अवसर दिया गया है। अन्त में पैरोकार रसद ने अपील अपीलान्त खरिज किये जाने की प्रार्थना की गई ।

हमने अभिभाषक अपीलान्त एवं पैरोकार रसद द्वारा की गई बहस पर मनन किया। पत्रावली का गहनता से अध्ययन किया। अपीलान्त के विरुद्ध मुख्य आरोप यह है कि अपीलान्त द्वारा स्टॉक में गेहूँ होने के बावजूद 48 उपभोक्ताओं को गेहूँ वितरण नहीं किया गया व माह मार्च, 2020 में गेहूँ स्टॉक में होने के बावजूद भी उपभोक्ता पखवाड़े में गेहूँ का वितरण नहीं किया जा सका। यहां महत्व पूर्ण बिन्दु यह है कि अपीलान्त की पोस मशीन जल जाने से खराब हो गई थी, इस कारण राशन सामग्री का वितरण नहीं हो सका। अपीलान्त द्वारा पोस मशीन खराब होने की सूचना जिला रसद कार्यालय को दी गई और उसके बाद इस तथ्य से प्रवर्तन निरीक्षक को भी मौके पर वक्त जांच अवगत कराया गया, किन्तु पोस मशीन को ठीक कराने बावत रसद विभाग द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की। पोस मशीन अपीलान्त के स्तर से ही ठीक कराई गई, जिसे लॉक डाउन होने के कारण ठीक कराने में समय लगा। जहां तक 48 उपभोक्ताओं की शिकायत का प्रश्न है तो प्रवर्तन निरीक्षक द्वारा मौके पर कोई जांच नहीं की गई है। इस बावत कोई भी जांच रिपोर्ट व उपभोक्ताओं के बयान आदि पत्रावली पर उपलब्ध नहीं है और न ही प्रवर्तन निरीक्षक की निरीक्षण फर्द पत्रावली में संलग्न है। डीलर द्वारा राशन सामग्री का कोई दुरुपयोग व गबन किया जाना भी नहीं पाया गया है। अपीलान्धीन आदेश बिना किसी जांच किये पारित किया गया है जो, विधि सम्मत प्रतीत नहीं होता है। अस्तु अपील स्वीकार किये जाने योग्य है ।

अतः आदेश है कि

उपरोक्त विवेचनानुसार अपील अपीलान्त स्वीकार की जाती है। अपीलान्धीन आदेश दिनांक 02.07.2020 अपास्त किया जाता है। डीलर की आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित की जावे। निर्णय की प्रति के साथ तहत पत्रावली वापस जिला रसद अधिकारी भरतपुर को भेजी जावे।

निर्णय आज दि 25.11.2020 को लिखाया जाकर सुनाया गया।



(नथमल डिडेल)
जिला कलक्टर
भरतपुर